वर्ष-18 अंक-277 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 04 अगस्त 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI No.- UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

कार्य किया।

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों ने केवीके वैज्ञानिकों के साथ स्मार्ट खेती हेतु किया मंथन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर आज राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ उच्च गुणवत्ता परक बीजों एवं स्मार्ट खेती सहित कई विषयों पर मंथन किया। यह दल अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य के नेतृत्व में आज कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात पहुंचा। बैठक में डॉ. मौर्या ने बताया कि हरित क्रांति के बाद कृषि तकनीकों के क्षेत्र में खासतौर पर बीज, मशीन तथा रिमोट संचालित तकनीकों में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में तकनीकी हस्तान्तरण अन्तराल ज्यादा था, लेकिन अब किसान ज्यादा जागरूक होने से तकनीकी हस्तान्तरण ज्यादा गति से हो रहा है। उन्होंने बताया कि नई तकनीकों से खेती में टिकाऊपन लाया जा सकता है। अपर कृषि निदेशक श्री टी एम त्रिपाठी ने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की समस्याओं के आधार पर अनुसंधान करना चाहिये ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सकें। साथ ही उन्होंनें जोर दिया कि प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कृषि मशीनीकरण के लिए प्रौद्योगिकी के उचित हस्तान्तरण में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों और सरकारी अधिकारियों के बेहतर समन्वय और निगरानी के लिए जोर दिया। गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि खेती में महिलाओं की अहम् भूमिका है। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा स्वयं सहायता समूह तथा किसान समूहों को बढ़ावा देकर और तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित कर तकनीकी प्रसार पर जोर दिया जा रहा है। प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने केंद्र पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी तथा कृषि जलवायु परिस्थितियों तथा नई अनुसंधान तकनीकों के बारे में प्रकाश डाला।बैठक के प्रारम्भ में डॉ.खलील खान ने गत खरीफ में वर्षा का वितरण, बोई गई विभिन्न फसलों के क्षेत्र एवं उनकी उत्पादकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें जनपद में विभिन्न फसलों में खरीफ के दौरान् आयी समस्याओं को प्रस्तुत किया। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत पशुपालन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जबकि डॉक्टर अरुण कुमार सिंह उद्यान से संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक पीयूष कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि कानपुर मंडल श्रीदेव शर्मा सहित अन्य राज्य स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

अमर उजाला 04/08/2025

गुणवत्तापरक बीजों, स्मार्ट खेती पर मंथन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर में राज्यस्तरीय कृषि अधिकारियों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ उच्च गुणवत्तापरक बीजों एवं स्मार्ट खेती पर मंथन किया। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सीएल मौर्य ने बताया कि हरित क्रांति के बाद कृषि क्षेत्र में बीज, मशीन तथा रिमोट संचालित तकनीकों में व्यापक बदलाव आया है। नई तकनीकों से खेती में टिकाऊपन लाया जा सकता है। अपर कृषि निदेशक टीएम त्रिपाठी ने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की समस्याओं के आधार पर अनुसंधान करना चाहिए। इस मौके पर प्रबंध निदेशक पीयूष कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि कानपुर मंडल श्रीदेव शर्मा, गृह वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी, प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. खलील खान,, डॉ. शशिकांत, डॉ. अरुण कुमार सिंह मौजूद रहे। (ब्यूरो)

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

कादशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 4 अगस्त 2025, वर्ष 3, अ

कृषि क्षेत्र में आए कई तरह के तकनीकी बदलाव

संवाददाता, शिवली

कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पहुंचे राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी एवं वैज्ञानिक।

अमृत विचार: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर में राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ उच्च गुणवत्ता परक बीजों एवं स्मार्ट खेती सहित कई विषयों पर मंथन किया।

रविवार को यह दल कृषि संकाय अधिष्ठाता डॉ. सीएल मौर्य के नेतृत्व में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पहुंचा। बैठक में डॉ. मौर्य ने बताया कि हरित क्रांति के बाद कृषि के क्षेत्र में खास तौर पर बीज, मशीन व रिमोट संचालित तकनीकों में व्यापक बदलाव आया है। पिछले दशक में तकनीकी हस्तांतरण अंतराल ज्यादा था। अब किसानों के ज्यादा जागरूक होने से तकनीकी हस्तांतरण ज्यादा गति से हो रहा है। नई तकनीकों से खेती में टिकाऊपन लाया जा सकता है। अपर निदेशक (कृषि) टीएम त्रिपाठी ने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की समस्याओं के आधार पर अनुसंधान करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जाना जाए। इससे कृषि मशीनीकरण के लिए प्रौद्योगिकी के उचित हस्तांतरण में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों और सरकारी अधिकारियों के बेहतर समन्वय और निगरानी पर जोर दिया। गृह वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि खेती में महिलाओं की अहम भूमिका है। कृषि विज्ञान केंद्र किसान समूहों को बढ़ावा देकर और तकनीकी प्रशिक्षण देकर प्रसार बढ़ा रहा है। प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने केंद्र की परियोजनाओं की जानकारी दी। साथ ही कृषि जलवायु परिस्थितियों व नई अनुसंधान तकनीकों के बारे में प्रकाश डाला। डॉ. खलील खान ने गत खरीफ में वर्षा का वितरण, बोई गई विभिन्न फसलों के क्षेत्र एवं उनकी उत्पादकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत पशुपालन ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। जबकि डॉ. अरुण कुमार सिंह ने उद्यान से संबंधित जानकारी दी। इस मौके पर प्रबंध निदेशक पीयूष कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि कानपुर मंडल श्रीदेव शर्मा सहित राज्य स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मार्ट खेती।राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी और के वी के वैज्ञानिक।

निष्पक्ष पोस्ट | डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ उच्च गुणवत्ता परक बीजों एवं स्मार्ट खेती सहित कई विषयों पर मंथन किया। यह दल अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य के नेतृत्व में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात पहुंचा। बैठक में डॉ. मौर्या ने बताया कि हरित क्रांति के बाद कृषि तकनीकों के क्षेत्र में खासतौर पर बीज, मशीन तथा रिमोट संचालित तकनीकों में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में तकनीकी हस्तान्तरण अन्तराल ज्यादा था, लेकिन अब किसान ज्यादा जागरूक होने से तकनीकी हस्तान्तरण ज्यादा गति से हो रहा है। उन्होंने बताया कि नई तकनीकों से खेती में टिकाऊपन लाया जा सकता है। अपर कृषि निदेशक श्री टी एम त्रिपाठी ने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की समस्याओं के आधार पर अनुसंधान करना चाहिये ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सकें। साथ ही उन्होनें जोर दिया कि प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कृषि मशीनीकरण के लिए प्रौद्योगिकी के उचित हस्तान्तरण में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों और सरकारी अधिकारियों के बेहतर समन्वय और निगरानी के लिए जोर दिया। गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि खेती में महिलाओं की अहम् भूमिका है। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा स्वयं सहायता समूह तथा किसान समूहों को बढ़ावा देकर और तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित कर तकनीकी प्रसार पर जोर दिया जा रहा है। प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने केंद्र पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी तथा कृषि जलवायु परिस्थितियों तथा नई अनुसंधान तकनीकों के बारे में प्रकाश डाला।बैठक के प्रारम्भ में डॉ.खलील खान ने गत खरीफ में वर्षा का वितरण, बोई गई विभिन्न फसलों के क्षेत्र एवं उनकी उत्पादकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें जनपद में विभिन्न फसलों में खरीफ के दौरान् आयी समस्याओं को प्रस्तुत किया। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत पशुपालन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जबकि डॉक्टर अरुण कुमार सिंह उद्यान से संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक पीयूष कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि कानपुर मंडल श्रीदेव शर्मा सहित अन्य राज्य स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अमर भारती

एक उम्मीद

संस्करण

मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com सोमवार, 04 अगस्त 2025 शक सम्वत् 1947,

कृषि अधिकारियों ने स्मार्ट खेती के लिए किया मंथन

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर आज राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ उच्च गुणवत्ता परक बीजों एवं स्मार्ट खेती सहित कई विषयों पर मंथन किया। यह दल अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य के नेतृत्व में आज कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात पहुंचा। बैठक में डॉ. मौर्या ने बताया कि हरित क्रांति के बाद कृषि तकनीकों के क्षेत्र में खासतौर पर बीज, मशीन तथा रिमोट संचालित तकनीकों में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में तकनीकी हस्तानांतरण अन्तराल ज्यादा था, लेकिन अब किसान ज्यादा जागरूक होने से तकनीकी हस्तानांतरण ज्यादा गति से हो रहा है। उन्होंने बताया कि नई तकनीकों से खेती में टिकाऊपन लाया जा सकता है। अपर कृषि निदेशक श्री टी एम त्रिपाठी ने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की समस्याओं के आधार पर अनुसंधान करना चाहिये ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सकें। साथ ही उन्होनें जोर दिया कि प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कृषि मशीनीकरण के लिए प्रौद्योगिकी के उचित हस्तानांतरण में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों और सरकारी अधिकारियों के बेहतर समन्वय और निगरानी के लिए जोर दिया। गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि खेती में महिलाओं की अहम् भूमिका है। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा स्वयं सहायता समूह तथा किसान समूहों को बढ़ावा देकर और तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित कर तकनीकी प्रसार पर जोर दिया जा रहा है। प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने केंद्र पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी तथा कृषि जलवायु परिस्थितियों तथा नई अनुसंधान तकनीकों के बारे में प्रकाश डाला।बैठक के प्रारम्भ में डॉ.खलील खान ने गत खरीफ में वर्षा का वितरण, बोई गई विभिन्न फसलों के क्षेत्र एवं उनकी उत्पादकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें जनपद में विभिन्न फसलों में खरीफ के दौरान आयी समस्याओं को प्रस्तुत किया। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत पशुपालन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जबकि डॉक्टर अरुण कुमार सिंह उद्यान से संबंधित जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक पीयूष कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि कानपुर मंडल श्रीदेव शर्मा सहित अन्य राज्य स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बहुभाषी दैनिक समाचार पत्र

कानपुर से प्रकाशित

E-mail :- deekshalayapravah@gmail.com

दीक्षालय प्रवाह

वर्ष : 03 अंक : 55 कानपुर, 04 अगस्त, 2025 पेज-8 मूल्य : 3 रुपये

> पढ़ें पेज 2 पर

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों ने केवीके वैज्ञानिकों के साथ स्मार्ट खेती हेतु किया मंथन

कानपुर (अनंत त्रिवेदी : दीक्षालय प्रवाह)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर आज राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ उच्च गुणवत्ता परक बीजों एवं स्मार्ट खेती सहित कई विषयों पर मंथन किया। यह दल अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य के नेतृत्व में आज कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात पहुंचा। बैठक में डॉ. मौर्या ने बताया कि हरित क्रांति के बाद कृषि तकनीकों के क्षैत्र में खासतौर पर बीज, मशीन तथा रिमोट संचालित तकनीकों में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में तकनीकी हस्तान्तरण अन्तराल ज्यादा था, लेकिन अब किसान ज्यादा जागरूक होने से तकनीकी हस्तान्तरण ज्यादा गति से हो रहा है। उन्होंने बताया कि नई तकनीकों से खेती में टिकाऊपन लाया जा सकता है। अपर कृषि निदेशक टीएम त्रिपाठी ने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की समस्याओं के आधार पर अनुसंधान करना चाहिये ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सकें। साथ ही उन्होनें जोर दिया कि प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 38 कानपुर, सोमवार, 04 अगस्त 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि अधिकारियों ने केवीके वैज्ञानिकों के साथ स्मार्ट खेती के लिए की चर्चा

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर आज राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ उच्च गुणवत्ता परक बीजों एवं स्मार्ट खेती सहित कई विषयों पर मंथन किया। यह दल अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य के नेतृत्व में आज कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात पहुंचा।

बैठक में डॉ. मौर्या ने बताया कि हरित क्रांति के बाद कृषि तकनीकों के क्षैत्र में खासतौर पर बीज, मशीन तथा रिमोट संचालित तकनीकों में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में तकनीकी हस्तान्तरण अन्तराल ज्यादा था, लेकिन अब किसान ज्यादा जागरूक होने से तकनीकी हस्तान्तरण ज्यादा गति से हो रहा है। उन्होंने बताया कि नई तकनीकों से खेती में टिकाऊपन लाया जा सकता है। अपर कृषि निदेशक श्री टी एम त्रिपाठी ने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की समस्याओं के आधार पर अनुसंधान करना चाहिये ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सकें। साथ ही उन्होनें जोर दिया कि प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कृषि मशीनीकरण के लिए प्रौद्योगिकी के उचित हस्तान्तरण में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों और सरकारी अधिकारियों के बेहतर समन्वय और निगरानी के लिए जोर दिया।

गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि खेती में महिलाओं की अहम् भूमिका है। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा स्वयं सहायता समूह तथा किसान समूहों को बढ़ावा देकर और तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित कर तकनीकी प्रसार पर जोर दिया जा रहा है। प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने केंद्र पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी तथा कृषि जलवायु परिस्थितियों तथा नई अनुसंधान तकनीकों के बारे में प्रकाश डाला बैठक के प्रारम्भ में डॉ.खलील खान ने गत खरीफ में वर्षा का वितरण, बोई गई विभिन्न फसलों के क्षेत्र एवं उनकी उत्पादकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें जनपद में विभिन्न फसलों में खरीफ के दौरान् आयी समस्याओं को प्रस्तुत किया। वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत पशुपालन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जबकि डॉक्टर अरुण कुमार सिंह उद्यान से संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक पीयूष कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि कानपुर मंडल श्रीदेव शर्मा सहित अन्य राज्य स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 4 अगस्त • 2025

ार्ट खेती के लिए कृषि ज्ञानिकों ने किया मंथन

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं ाकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान ानपुर देहात स्थित दलीप नगर में राज्य स्तरीय कृषि ारियों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ उच्च गुणवत्ता परक एवं स्मार्ट खेती सहित कई विषयों पर मंथन किया।

यह दल अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सीएल मौर्य के में रविवार को कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पहुंचा। डॉ. ा वताया कि नई तकनीकों से खेती में टिकाऊपन लाया ता है। अपर कृषि निदेशक टीएम त्रिपाठी ने कहा कि कों को किसानों की समस्याओं के आधार पर धान करना चाहिये ताकि किसानों को अधिक फायदा सके। प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में कृषि मशीनीकरण को दिया जाना चाहिए। गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने कि खेती में महिलाओं की अहम भूमिका है। प्रभारी डॉ कुमार सिंह ने केंद्र पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं ानकारी दी तथा कृषि जलवायु परिस्थितियों तथा नई धान तकनीकों के वारे में प्रकाश डाला। वैज्ञानिक डॉ. ांत ने पशुपालन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, डॉ. अरुण सिंह ने उद्यान से संवंधित जानकारी दी। इस अवसर पर निदेशक पीयूष कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि र मंडल श्रीदेव शर्मा, डॉ. खलील खान आदि रहे।